

श्रीमति माधुरी सिंह

लाख यूनिट्स का अन्तर है। बरौनी, पतरातू और कामती (मुजफ्फरपुर) में निर्माणाधीन 6 नये बिजली उत्पादन यूनिट्स का काम शीघ्र पूरा होना चाहिए। और बिजली में सुधार लाने के लिए इनमें केवल बिजली का ही उत्पादन करना चाहिए। वर्तमान में फरक्का, कोयला कारों और भूटान में चूक्का में विद्युत उत्पादन की केन्द्रीय परियोजनाएं इस समय निर्मित की जा रही हैं। यह बड़ी खुशी की बात है कि भारत सरकार ने भूटान में निर्मित चूक्का प्रोजेक्ट से 71 मेगावाट और बिहार को अग्रवंटन किया है और इस बिजली के वितरण के लिए पूर्णिया में सब स्टेशन बनाया जा रहा है। उत्तर बिहार क्षेत्र का विकास अनेक वर्षों से बिजली के अभाव में अग्रवृद्ध रहा है और यह अत्यावश्यक है कि उत्तर बिहार के पूर्वी जिलों में पूर्णिया, सहरसा, खगरिया बिजली के संचार एवं वितरण प्रणाली में मजबूती लाने के लिए तुरन्त आवश्यक कार्यवाही की जाए जिससे भूटान से उपलब्ध बिजली का विभिन्न क्षेत्रों में समयक वितरण हो सके। भागलपुर के निकट कहलगांव विद्युत परियोजना का काम भी शुरू करना चाहिए। यद्यपि केन्द्रीय प्राधिकरण ने इस परियोजना की अनुमति दे दी है परन्तु इस दिशा में काम आगे नहीं बढ़ा है। बिहार में थर्मल बिजली कारखानों में असंतोषजनक उत्पादन हुआ। यह भी एक कारण है कि ग्रिड स्टेशनों में संचार सुविधाओं का अभाव है। रख-रखाव में अनियमितता बढ़ती जा रही है और उपयुक्त किस्म का कोयला भी नहीं उपलब्ध हो रहा है। मैं सरकार से अनुरोध करती हूँ कि इन समस्याओं की ओर ध्यान देकर बिहार में बिजली के उत्पादन की स्थिति में सुधार लाने के लिए तत्काल

आवश्यक कार्यवाही की जाए ताकि बिहार का पिछड़ापन दूर हो और जन समाज के जीवन में सुख और समृद्धि हो।

(II) NEED TO ASK THE TEXTILE DYEING AND PRINTING UNITS IN JODHPUR ETC. TO SET UP PLANTS FOR TREATMENT OF POLLUTED WATER DISCHARGED BY THEM INTO OPEN DRAINS.

SHRI CHINTAMANI PANIGRAHI (Bhubaneswar) : About 1500 units are engaged in dyeing and printing of textile in Jodhpur, Pali and Balotra. As none of these units have treatment plants, they discharge about 15 million litres of polluted water which flows through open drains traversing long distances before joining some river bed or reservoir. These 1500 units together employ about 80,000 persons. They are highly exposed to health hazards. It is revealed from the survey conducted by the Jodhpur Medical College, the Department of Zoology, University of Jodhpur and the environment cell of the Gandhi Peace Foundation that 20 per cent of these workers fall the victim of cancer, tuberculosis and a host of the other dangerous diseases.

Since the untreated water passes through scores of villages, the agricultural land is fast turning into barren land. According to an estimate about seven or ten thousand hectares of land has already been either destroyed or in the process of turning into an arid land.

In view of this, I request the Minister of Ecology to take immediate steps for the protection of large number of labourers working in those three textile mills from untimely death. Necessary instructions should be sent to those units to set up treatment plants without any further delay.

(III) NEED FOR CONSTRUCTION OF RAILWAY LINE BETWEEN TALCHAR AND SAMBALPUR.

DR. KRUPASINDHU BHOI (Sambalpur) : The movement of minerals and agricultural goods from western Orissa to eastern Orissa has become very difficult in the absence of direct rail link. The State Government and the Members of Parliament from Orissa have highlighted the prime need of Talcher-Sambalpur rail link time and again which would provide direct connection between Sambalpur and Paradip. Construction of this line would shorten the distance between northern and central India and the eastern coast by nearly 470 kilometres and would effect considerable economy in the cost of transportation. It would reduce the congestion of traffic in the Jharsuguda-Kharagpur section of the South-Eastern Railway.

If this line is constructed, the distance between the aluminium smelter and alumina plant under construction at Damanjuri and Anugul would be reduced by 75 kms. The rail link would therefore, effect the economy of the project to a considerable extent.

The Talcher-Sambalpur railway line would provide a direct communication between coastal Orissa and western Orissa, a tribal area, rich in mineral and agricultural resources. At present, one has to travel through the State of West Bengal and Bihar in order to reach Sambalpur, the headquarters of western Orissa from the State capital. The proposed railway line is, therefore, vitally important for the growth of the economy of the State and the establishment of much needed emotional integration between the coastal Orissa and western Orissa.

In view of this, I demand that the construction of Talcher-Sambalpur rail link should be taken up during the Sixth Plan period.

(IV) PROBLEM OF DRINKING WATER IN MIRZAPUR AND VARANASI UTTAR PRADESH.

श्री उमाकान्त मिश्र (मिर्जापुर) : सभापति महोदय, मैं नियम 377 के अधीन निम्नलिखित विषय की ओर मन्त्री महोदय का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ :

वैसे तो ग्राम तौर पर उत्तर प्रदेश के क्षेत्रों में पेयजल की कठिनाई प्रतिवर्ष रहा करती है, किन्तु गत वर्ष वर्षा की कमी के कारण वाराणसी तथा मिर्जापुर जिले के कुछ भाग में पानी का स्तर अत्यन्त नीचा होने के कारण पेयजल का गम्भीर संकट उत्पन्न हो गया है। वाराणसी के सेवापुरी, भदोही, नवगढ़ आदि विकास खण्डों में तथा मिर्जापुर के अकौड़ी, हलिया, लालगंज तथा दक्षिणी मिर्जापुर के पहाड़ी क्षेत्रों में कुएं सूख रहे हैं। अनेक गांवों में सूख भी गए हैं। तीन-तीन, चार-चार किलोमीटर से पीने का पानी ढोया जा रहा है। वहां के निवासियों में पेयजल के संकट के कारण घबराहट उत्पन्न हो रही है। यदि समय रहते उपाय न किया गया तो उक्त क्षेत्रों में पेयजल के अभाव का गम्भीर संकट सम्भावित है। सरकार से अनुरोध है कि पहले तो पेयजल के संकट का मुकाबला करने के लिए उक्त क्षेत्रों में तात्कालिक कदम उठाए जायें। इसके पश्चात् मिर्जापुर तथा वाराणसी जिलों की पेयजल की समस्या के समाधान के लिए स्थाई योजना क्रियान्वित की जाए।

(V) FINANCIAL ASSISTANCE FOR SLUM CLEARANCE IN PATNA.

श्री रामावतार शास्त्री (पटना) : सभापति महोदय, मैं नियम 377 के अधीन निम्नलिखित विषय की ओर मन्त्री महोदय का ध्यान आकर्षित करता हूँ :